भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या: 795
गुरुवार, 24 जुलाई, 2025/2 श्रावण, 1947 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

डीजीसीए, बीसीएएस और एएआई में रिक्तियां

795. श्री राजा राम सिंहः
एडवोकेट अदूर प्रकाशः

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार स्वीकार करती है कि देश में नागर विमानन क्षेत्र में तीव्र विकास के बावजूद नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) में 53 प्रतिशत से अधिक, नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) में 35 प्रतिशत से अधिक और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) में 17 प्रतिशत से अधिक स्वीकृत पद रिक्त पड़े हुए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) उक्त प्रत्येक संस्थान में कितने स्वीकृत पद हैं और आज की तिथि के अनुसार, श्रेणीवार कितने पद रिक्त पड़े हुए हैं;

(ग) क्या इन संस्थानों में कर्मचारियों की कमी भी उत्तराखंड में हेलीकॉप्टर दुर्घटनाओं और गुजरात में एयर इंडिया दुर्घटना सहित हाल की विमानन दुर्घटनाओं के लिए उत्तरदायी रही है;

(घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो ऐसी दुर्घटनाओं के क्या कारण हैं;

(ङ) सरकार द्वारा स्वीकृत पदों को भरने, सुरक्षा निरीक्षण बढ़ाने और हाल की सुरक्षा चूकों के लिए जवाबदेही तय करने हेतु किए गए विशिष्ट उपायों का ब्यौरा क्या है;

(च) क्या सरकार का विशेषकर निजी और गैर-अनुसूचित विमानन प्रचालकों की विमानन सुरक्षा प्रोटोकॉल संबंधी संपरीक्षा आरंभ करने का विचार है; और

(छ) यदि हाँ, तो उक्त संपरीक्षा के लिए क्या समय-सीमा निर्धारित की गई है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) से (ङ): नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए), नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) में स्वीकृत पदों और रिक्तियों की स्थिति की संख्या का विवरण अनुलग्नक-I में संलग्न है।

नागर विमानन के वर्तमान और भावी विस्तार और प्रभावी पर्यवेक्षण के दृष्टिगत, डीजीसीए, बीसीएएस और एएआई में अतिरिक्त पदों का सृजन किया गया है। इस कमी से इन संगठनों की कार्यप्रणाली पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। इसके अलावा, अपेक्षित कार्मिकों की समय पर और निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए भर्ती की सभी पद्धतियों का सख्ती से अनुपालन किया जाता है। विभिन्न कारणों जैसे विज्ञापनों के प्रति अपर्याप्त प्रतिक्रिया, चयनित अभ्यर्थियों का कार्यभार ग्रहण न करना, पदोन्नति के लिए फीडर कैडर में अपर्याप्त सेवा वाले व्यक्ति, प्रतिनियुक्ति

पदों के प्रति अपर्याप्त प्रतिक्रिया, से उत्पन्न रिक्तियों की वजह से मध्यवर्ती आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, अल्पावधि संविदात्मक नियुक्ति के माध्यम से व्यक्तियों की भर्ती करने का प्रयास किया जाता है।

(च) और (छ): नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के पास विमानों के सुरक्षित परिचालन और उनके अनुरक्षण के लिए वृहत नागर विमानन विनियम विद्यमान हैं। इन विनियमों को निरंतर अद्यतित किया जाता है और इन्हें अंतर्राष्ट्रीय नागर विमानन संगठन (आईसीएओ) / यूरोपीय संघ विमानन सुरक्षा एजेंसी (ईएएसए) मानकों के अनुरूप बनाया जाता है।

नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के पास निगरानी और ऑडिट के लिए निर्धारित फ्रेमवर्क भी है, अर्थात संगठन/विमान की नियोजित और अनियोजित निगरानी, जिसमें अनुरक्षण परिपाटियों की निरंतर निगरानी सहित सभी प्रचालकों के लिए नियमित और आवधिक ऑडिट, औचक जांच, रात्रि निगरानी और रैंप निरीक्षण शामिल हैं।

अनुलग्नक I

1. नागर विमानन महानिदेशालय:-

समूह	स्वीकृत पद	भरे हुए	रिक्त
समूह क	1123	548	575
समूह ख	161	93	68
समूह ग	360	180	180
कुल	**1644**	**821**	**823**

2. भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (प्रवेश स्तर पर):-

समूह	स्वीकृत पद	भरे हुए	रिक्त
समूह क	8268	6618	1650
समूह ख	7631	6288	1343
समूह ग	9831	3347	6484

कुल	**25730**	**16253**	**9477**

3. नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो:-

समूह	स्वीकृत पद	भरे हुए	रिक्त
समूह क	156	102	54
समूह ख	250	141	109
समूह ग	192	125	67
कुल	**598**	**368**	**230**

टिप्पणी: पिछले कुछ वर्षों में कुछ पद सृजित किए गए हैं, जैसा कि नीचे दर्शाया गया है:

1. नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) में वर्ष 2022 और वर्ष 2024 के बीच 426 तकनीकी पदों सहित 441 पद सृजित किए गए हैं।
2. नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) में वर्ष 2024 में पुनर्संरचना के दौरान 84 प्रचालननिक पद सृजित किए गए हैं।
3. भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण में हाल ही में वायु यातायात नियंत्रकों (एटीसीओ) के 840 पद सृजित किए गए हैं।

******